कंटेनर की टक्कर से 12 से ज्यादा गायों की मौत

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। ग्वालियर-भिंड हाईवे पर शुक्रवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक दर्जन से ज्यादा गायों की मौत हो गई।

चालक को भीड़ ने पीटा

यह हादसा कंटेनर (ट्रक) चालक की लापरवाही के कारण हुआ, जिसने तेज गति से वाहन चलाते हुए सड़क पर बैठी गायों को रौंद दिया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने चालक को पकड़कर जमकर मारपीट की और पुलिस को सौंप दिया।

ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र में 6 गायों के मरने और सात के घायल होने की पुष्टि हुई है। जबकि भिंड जिले के मालनपुर थाना क्षेत्र में भी 6 गायों की मौत होने की खबर है। फरियादी दीपक रजक (30) निवासी रामजानकी मंदिर के पास, मालनपुर ने पुलिस को बताया कि वह दोस्तों के साथ हाईवे पर स्थित मानसरोवर होटल में खाना खाने गया था, तभी हादसा हुआ।

कंटेनर चालक लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे बैठी गायों को टक्कर मारता हुआ निकल गया। हादसे में 4 सफेद और 2 काली गाय मौके पर ही खत्म हो गईं। घटना के बाद मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसने चालक को पकड़कर जमकर पीटा। चालक की पहचान रंजीत यादव (35) निवासी अंबेडकर नगर, फैजाबाद, उत्तरप्रदेश के रूप में हुई। पुलिस ने आशंका जताई है कि चालक नशे में था, जिसके लिए मेडिकल जांच कराई गई है। पूछताछ में कंटेनर मालिक का नाम धर्मेंद्र पांडे, निवासी सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश बताया गया।

मालनपुर पुलिस पर सवाल, ग्वालियर पुलिस ने लिया एक्शन : फरियादी ने बताया कि यही कंटेनर भिंड के मालनपुर क्षेत्र में भी कुछ गायों को कुचलकर आया था, लेकिन जब इस बारे में मालनपुर पुलिस से पूछा गया तो उन्होंने अनभिज्ञता जताई। वहीं, ग्वालियर पुलिस ने कंटेनर चालक को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है।

बारिश बनी हादसों का कारण

बारिश के चलते सड़क किनारे कीचड़ होने से गायें सड़क पर बैठ जाती हैं। इसी कारण इस मार्ग पर हादसे लगातार हो रहे हैं। पहले भी सड़क किनारे तार फेंसिंग की मांग उठी थी, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। इस लापरवाही के कारण ऐसे हादसे बार-बार हो रहे हैं।

शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। शहर के मेला ग्राउंड के पास स्थित शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर सुल्तान सिंह का पुरा, मौजा बाराखुर्द निवासी अजीत सिंह पुत्र रामनिवास सिंह ने कलेक्टर को आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है।

आवेदन में अजीत सिंह ने बताया कि मेला ग्राउंड के पास की शासकीय जमीन पर अनूप सिंह पुत्र राजकुमार सिंह और राजकुमार सिंह पुत्र भागीरथ सिंह द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। इन दोनों व्यक्तियों पर थाना देहात, ऊमरी और सिटी कोतवाली में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

अजीत सिंह ने आरोप लगाया कि ये दोनों गुंडा किस्म के लोग हैं, जिन्होंने शासकीय जमीन को कमाई का जरिया बना लिया है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मांग की है कि अवैध कब्जा तत्काल हटाया जाए और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह अवैध कब्जा आगे और बढ़ सकता है। लोगों में प्रशासन की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

कलेक्टर-विधायक विवाद के बीच भड़का विरोध

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के बीच तकरार के बाद जिले का सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। शनिवार को कांग्रेस किसान संगठन ने परेड चौराहे पर कलेक्टर का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम का नेतृत्व एडवोकेट

किसान संगठन ने किया पुतला दहन, किसानों का धरना स्थगित

नरेंद्र चौधरी ने किया। उन्होंने कलेक्टर को तानाशाह अफसर बताते हुए कहा कि जिले में किसानों को खाद नहीं मिल रही है और कलेक्टर मनमानी कर रहे हैं। चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि कलेक्टर पहले भी छात्रा के साथ मारपीट की घटना को लेकर विवादों में रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में किसानों की मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना भी स्थगित कर दिया गया। संगठन का कहना है कि विधायक-कलेक्टर विवाद के कारण आंदोलन को मीडिया में गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। राज्य सलाहकार एडवोकेट नरेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारा विरोध केवल कलेक्टर से नहीं, बल्कि भाजपा सरकार से भी है, जो किसानों को खाद उपलब्ध नहीं करा रही और बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा नहीं दे रही है।

प्रदेश प्रचार प्रमुख विष्णु शर्मा, संभागीय अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह तोमर और जिला अध्यक्ष जयराज सिंह राणा ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि किसान यूनियन के पदाधिकारी पंजाब में बाढ़ पीड़ित किसानों की मदद के लिए रवाना हो रहे हैं। उनके लौटने के बाद किसानों की मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन पुनः शुरू किया जाएगा।

कलेक्टर को हटाने की मांग तेज

इससे पहले एडवोकेट चौधरी ने थाने में कलेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। इसी कड़ी में शनिवार को किसान यूनियन के बैनर तले पुतला दहन कर कलेक्टर को हटाने की मांग भी उठाई गई।

धूमधाम से हुआ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शनिवार को भिंड जिले में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन धार्मिक उल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गणपति बप्पा

गणपति बप्पा को दी भावभीनी विदाई

को विदाई देने के लिए श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखने को मिला।

डीजे, ढोल-नगाड़ों और भजनों के साथ शोभायात्रा : शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गणेश प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों, डीजे की धुन और भजनों पर नाचते-गाते हुए गणपति बप्पा की जयकारों के साथ विसर्जन स्थलों की ओर रवाना हुए। पूरा शहर च्गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आज्ञ के जयघोष से गूंज उठा।

नदी-तालाबों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

विसर्जन के लिए क्वारी नदी, चंबल नदी, तालाबों और अन्य स्थानों पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। नगर पालिका और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से क्रेन, नावें और गोताखोरों की तैनाती की, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

भक्तों में उत्साह, श्रद्धा और आस्था का संगम

पूरे दिन शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा को फूल-मालाओं से सजाकर अंतिम पूजन किया और नदी-तालाबों में विधि-विधान से विसर्जन किया। कई जगह भक्तों ने गणेश उत्सव के समापन पर भंडारे का आयोजन भी किया।

यातायात और भीड़ प्रबंधन में पुलिस रही सतर्क

जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया था, ताकि जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था बनी रहे और भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। पुलिस और प्रशासन की चौकसी के कारण विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बिना रॉयल्टी के तीन ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर शिकंजा कसते हुए शनिवार को कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बड़ी कार्रवाई की। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बिना रॉयल्टी के खड़ी तीन ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर जब्त कर नई तहसील परिसर में खड़ा करा दिया।

कलेक्टर की दबिश से रेत माफियाओं में हड़कंप : सूत्रों से सूचना मिली थी कि रेत माफियाओं ने चोरी की रेत से भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में छिपाकर खड़े किए हैं। खबर मिलते ही कलेक्टर मौके पर पहुंचे और कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को खनिज विभाग के सुपुर्द करने के निर्देश दिए। थोड़ी ही देर में सिटी कोतवाली टीआई बृजेंद्र सेंगर और देहात थाना प्रभारी मुकेश शाक्य भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

कलेक्टर ने दो टूक कहा कि अवैध रेत किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली खनिज विभाग को सौंप दी गई हैं। आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रशासन और पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल : कलेक्टर की इस कार्रवाई से एक बार फिर सवाल उठ खड़ा हुआ है कि ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिस चौकियों और थानों की नजरों से कैसे बच जाते हैं? कलेक्टर की सख्ती के बावजूद ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली काल बनकर सड़कों पर दौड़ रही हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। कलेक्टर ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया है और साफ संकेत दिया है कि जिले में अवैध रेत का कारोबार अब किसी भी कीमत पर नहीं चलेगा।

27 सितंबर की बहस के बाद बढ़ी सख्ती

गौरतलब है कि 27 सितंबर को कलेक्टर श्रीवास्तव और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के बीच खाद वितरण को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ था। उस दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा था चोरी की रेत अब नहीं चलेगी। इसके बाद रेत माफियाओं की गतिविधियां तेज हो गई थीं। भारौली, नयागांव, ककहरा और ओझा खदानों से चोरी-छिपे रेत निकालकर शहर लाने की खबरें लगातार मिल रही थीं।

प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा

डगर ग्राम पंचायत में कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। मेहगांव के ग्राम पंचायत डगर में कृषि विभाग (आत्मा) द्वारा प्राकृतिक कृषि पर राष्ट्रीय मिशन अंतर्गत कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों और लाभों के बारे में जागरूक करना था।

बीजामृत, जीवामृत एवं प्राकृतिक कीटनाशक पर विस्तृत जानकारी : कार्यक्रम में किसानों को बीजामृत, जीवामृत एवं प्राकृतिक कीटनाशक तैयार करने की विधि के साथ-साथ उनके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक कृषि के फायदे बताते हुए कहा कि इससे न केवल फसल की गुणवत्ता

में सुधार होगा, बल्कि लागत भी काफी हद तक कम होगी।

जीवामृत खाद निर्माण का प्रदर्शन : स अवसर पर जीवामृत खाद निर्माण विधि की प्रदर्शन इकाई लगाई गई, जहां किसानों को खाद बनाने की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, तैयार इकाई से निर्मित खाद का उपयोग करने के लिए कुछ जागरूक किसानों का चयन भी किया गया, ताकि वे अपने अनुभवों को अन्य किसानों तक साझा कर सकें।

विशेषज्ञों की उपस्थिति और मार्गदर्शन : ार्यक्रम में प्रवीटीएम (आत्मा) भास्कर जोशी, एईओ कृषि विवेक शर्मा, स्थानीय मास्टर ट्रेनर मुकुट बिहारी डगरोलिया सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने किसानों को आश्वासन दिया कि प्राकृतिक कृषि अपनाने में उन्हें हर संभव सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

किसानों में उत्साह

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्राकृतिक कृषि की तकनीकों में गहरी रुचि दिखाई और जीवामृत खाद के उपयोग के लाभों के बारे में सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने किसानों को भरोसा दिलाया कि प्राकृतिक कृषि से मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और रासायनिक खादों पर निर्भरता कम होगी।

गोहद उपजेल में सुधार की मिसाल

अपराधी नहीं, अपराध से घृणा : सहायक जेल अधीक्षिका हेम सरिता मिंज की संवेदनशील पहल

नवभारत न्यूज
गोहद, 6 सितम्बर। उप जेल गोहद में पदस्थ सहायक जेल अधीक्षिका हेम सरिता मिंज ने कारागार-प्रशासन को सिर्फ सुरक्षा और अनुशासन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे सुधार, पुनर्वास और गरिमा के मूल्यों से भी जोड़ा है। उनका स्पष्ट विश्वास है अपराधी नहीं, अपराध से घृणा और इसी सोच के साथ वे सजा काट रहे बंदियों को समाजोपयोगी नागरिक के रूप में तराशने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हेम सरिता मिंज का जीवन संघर्ष और संकल्प का उदाहरण है। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक गरीब आदिवासी परिवार में जन्मीं, उन्होंने बचपन से ही माता-पिता की प्रेरणा से फोर्स में जाने का सपना संजोया। परिस्थितियों से जूझते हुए और अपनी प्रतिभा को

निखारते हुए वर्ष 2002 में वे जेल पुलिस में भर्ती हुईं। लगातार परिश्रम और ईमानदारी के दम पर उन्होंने ग्वालियर, दतिया, रीवा, भोपाल सहित कई जिलों की जेलों में अपनी सेवाएँ दीं। वर्तमान में वे गोहद उपजेल की कमान संभाल रही हैं। उनका परिवार भी देशसेवा के प्रति समर्पित है—बड़ी बहन पुलिस विभाग में सब-इंस्पेक्टर हैं, जबकि छोटी बहन भी जेल पुलिस में सेवाएँ दे रही हैं। तीनों बहनों का यह सफर समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और यह संदेश देता है कि समर्पण और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

शिक्षा व साक्षरता : निरंतर पढ़ाई-लिखाई की सुविधाओं को प्रोत्साहन, पुस्तक/अख़बार उपलब्ध कराने की पहल, ताकि बंदी समय को सीखने में लगाएँ।

कौशल विकास : सफ़ाई-प्रबंधन, रसोई संचालन जैसे व्यावहारिक कौशलों का अभ्यास, जिससे रिहाई के बाद रोजगार के अवसर बढ़ें।

परामर्श व व्यवहार परिवर्तन : नशा मुक्ति, क्रोध-नियंत्रण, और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता सत्रों पर ज़ोर, ताकि बंदी अपराध-चक्र से बाहर निकलने का साहस जुटा सकें।

स्वच्छता व स्वास्थ्य : नियमित साफ-सफाई, हाइजीन मॉनिटरिंग, प्राथमिक उपचार और समयानुसार चिकित्सा परामर्श सुनिश्चित।

सांस्कृतिक/रचनात्मक गतिविधियाँ : राष्ट्रीय पर्वों/समारोहों पर मर्यादा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा—अनुशासन के साथ सहभागिता और सकारात्मकता का माहौल।

महिला नेतृत्व की सशक्त छाप

हेम सरिता मिंज का नेतृत्व कारा-प्रशासन में महिला अधिकारियों की सजग, संवेदनशील और सक्षम भूमिका को रेखांकित करता है। वे सुरक्षा-व्यवस्था की कठोर माँगों और सुधारात्मक पहलों की कोमल संवेदनशीलता—दोनों का संतुलित समन्वय करती हैं। उनकी कार्यशैली टीमवर्क, स्पष्ट संवाद और उदाहरण प्रस्तुत कर नेतृत्व करने की शैली (द्यद्गड्डस्र ड्ढ4 द्ग×ड्डद्वश्चद्यद्ग) पर आधारित है, जिससे स्टाफ की कार्यकुशलता और बंदियों का भरोसा—दोनों मजबूत होते हैं। गोहद उपजेल में सहायक जेल अधीक्षक हेम सरिता मिंज के नेतृत्व में प्रशासन ने यह साबित किया है कि कारागार केवल सज़ा की जगह नहीं, बल्कि सुधार की एक सशक्त प्रक्रिया भी हो सकता है। समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक पुनर्वापसी तभी संभव है, जब जेल की चौखट के भीतर अनुशासन के साथ मानवीयता और अवसर—दोनों उपलब्ध हों। हेम सरिता मिंज का व्यक्तित्व इस बात का प्रमाण है कि संकल्प और मेहनत से हर बाधा को पार किया जा सकता है। देश की महिलाओं के लिए वे प्रेरणा हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी अगर लक्ष्य स्पष्ट हो, तो सफलता निश्चित है।

जेल अधीक्षिका के विचार

हमारा उद्देश्य है कि बन्दी जेल से बाहर निकलकर एक जिम्मेदार नागरिक बने, महिला अधिकारी होने के नाते मेरा मानना है कि कठोरता व करुणा दोनों साथ साथ चल सकती है।

—हेम सरिता मिंज
सहायक जेल अधीक्षिका
उप जेल गोहद

पारदर्शिता व नियमित निरीक्षण, शिकायतें, अपेक्षाएँ और समाधान की प्रक्रिया

जेल प्रशासन समय-समय पर उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में व्यवस्थाओं का जायजा लेता है। नियमानुसार न्यायिक एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण होते हैं, जिनमें बंदियों के कल्याण, सुरक्षा और सुविधा से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की जाती है। सभी प्रक्रियाएँ लिखित अभिलेख, आदेश-पत्र और प्रिस्क्राइब्ड स्ह्रक्क्ष् के अनुरूप संचालित की जाती हैं—यही पारदर्शिता व्यवस्था की ताकत है। कभी-कभी व्यक्तिगत चाहतें या अपेक्षाएँ पूरी न होने पर कुछ बंदियों की ओर से असंतोष के स्वर या आरोप सामने आते हैं। ऐसे हालात में भी प्रशासन नियत शिकायत-निवारण तंत्र के माध्यम से प्रत्येक मुद्दे की सुनवाई करता है—तथ्यात्मक जाँच, अभिलेखों का परीक्षण और आवश्यक होने पर सुधारात्मक कदम। लक्ष्य स्पष्ट है- नियमों का निर्वाह करते हुए मानवीय गरिमा की रक्षा।

37 लाख की लागत से विकास कार्यों का भूमिपूजन

विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह हुए शामिल

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 6 सितम्बर। भिंड विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने शनिवारको ग्राम पंचायत मोतीपुरा में 37 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भूमि पूजन के दौरान जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी़

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत बीसलपुरा के सरपंच कमल सिंह, रविंद्र सिंह, प्रहलाद मोतीपुरा, सूबेदार मोतीपुरा, पूर्व सरपंच दिनेश सिंह एवं उप सरपंच शत्रुघ्न सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप सिंह द्वारा किया गया।

विधायक ने दिया विकास का भरोसा : इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि च्विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। क्षेत्र की जनता के विश्वास पर खरा उतरना हमारा दायित्व है।ज्ज उन्होंने कहा कि यह परियोजना ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ग्रामीणों ने जताई खुशी

भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। लोगों ने विधायक का स्वागत कर आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि जल्द ही ग्राम पंचायत में विकास कार्य पूरे होंगे।